सुरक्षित मातृत्व और सुरक्षित शिशु

मध्यप्रदेश में ऑपरेशन (सीजेरियन) से होने प्रसव की स्थिति

एक परचा

विकास संवाद, मध्यप्रदेश (vikassamvad@gmail.com)

सुरक्षित मातृत्व और सुरक्षित शिशु

मध्यप्रदेश में ऑपरेशन (सीजेरियन) से होने प्रसव की स्थिति

क्या है ऑपरेशन से प्रसव (सीजेरियन) का मतलब ?

जब महिला/माँ के पेट और गर्भाशय में शल्य चीरा लगाकर प्रसव कराया जाता है, तो उसे शल्य चिकित्सा के जरिये प्रसव (सीजेरियन) कहा जाता है. आपरेशन के जरिये प्रसव दो परिस्थितियों में होता है - आपातकालीन[1] स्थिति में और वैकल्पिक[2] स्थिति में. हमें यह याद रखना होगा कि हर जटिल प्रसव में आपरेशन की जरूरत नहीं होती है.

शल्य चिकित्सा के जरिये प्रसव कब ?

जब यह पहले से तय किया जाता है कि महिला का प्रसव आपरेशन के जरिये होगा, तब कुछ स्थितियां महत्वपूर्ण होती हैं -

1. यदि पहले भी प्रसव आपरेशन से हुआ, तो दूसरा प्रसव भी आपरेशन से ही किया जाता है, क्योंकि पहले आपरेशन के कारण महिला के पेट और गर्भाशय में पहले से चीरा लग चुका होता है. ऐसे में योनी से प्रसव करने की कोशिश में उस चीरे के स्थान को नुकसान पहुंच सकता है.
2. यदि पहले गर्भाशय की किसी तरह की शल्य चिकित्सा हुई हो; जैसे आपरेशन से फाइब्राईड का निकाला जाना.
3. जब गर्भ में एक से ज्यादा बच्चे हों;
4. यदि बच्चे की स्थिति ऐसी हो कि गर्भस्थ शिशु के पैर नीचे हों या वह आड़ा हो, तब आपरेशन की जरूरत पड़ सकती है.
5. जब बच्चा गर्भाशय में बहुत नीचे की तरफ है, जिससे कि गर्भाशय ग्रीवा को छिपा रहा हो.
6. कोई बड़ी गठान/फाइब्राईड हो, तब इस विकल्प की जरूरत पड़ सकती है.
7. जब यह पता हो कि बच्चे में कोई जन्मजात विकृति के बारे में ऐसी सूचना हो, जिसके कारण योनी से प्रसव संभव न हो.

जब प्रसव आपरेशन से होते हैं, तब कुछ बातें महत्वपूर्ण हो जाती हैं -

---

[1] इमरजेंसी

[2] इलेक्टिव

1. योनी से प्रसव होने की स्थिति (जैसे सामान्य प्रसव या नार्मल डिलेवरी) में माँ के स्वास्थ्य में सुधार तेज गति से होता है. यदि कोई जटिलता न हो तो उसे 48 से 7२ घंटे में अस्पताल से घर भेज दिया जाता है. जबकि आपरेशन से प्रसव में स्वास्थ्य में सुधार के लिए 4 से 7 दिनों की जरूरत होती है.
2. योनी से प्रसव में भी यह ध्यान रखना होता है कि स्वास्थ्य केंद्र में रक्त की व्यवस्था उपलब्ध हो. ऐसे प्रसव के पहले यह जांच कर लेना होती है कि महिला को प्राकगर्भाक्षेपक (प्री-एक्लेम्पसिया), उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसी समस्या तो नहीं है.
3. आपरेशन से प्रसव में पेट और गर्भाशय में चीरा लगता है, इसलिए घाव की देखभाल की जाना जरूरी होता है.
4. एक बार शल्य चिकित्सा होने पर ज्यादातर संभावना होती है कि अगला प्रसव भी आपरेशन से ही होगा.
5. जब प्रसव योनी से होता है, तो माँ अगले आधे घंटे में बच्चे को स्तनपान करने के लिए तैयार और सक्षम होती है, जबकि आपरेशन से प्रसव होने की स्थिति में जब तक महिला बेहोशी की अवस्था में होती है, तब तक नवजात शिशु को स्तनपान कराना जोखिम भरा माना जाता है. और जब तक वह बेहोशी से बाहर आती हैं, तब तक 3 से 6 घंटे तक गुजर चुके होते हैं.
6. यह देखा जाने लगा है कि दंपत्ति/परिजनों को जानकारी का अभाव होने के कारण, वे स्वयं आपरेशन से प्रसव किये जाने की मांग करने लगे हैं. वे इसे एक सामान्य आपरेशन मानते हैं और इसकी जटिलताओं और भविष्य के जोखिम से अनभिज्ञ होते हैं.
7. अब यह भी देखा जा रहा है कि दंपत्ति/परिजन किसी खास मुहूर्त/नक्षत्रों की स्थिति या किसी खास दिन पर बच्चे का जन्म चाहते हैं, इसलिए भी आपरेशन से प्रसव कराया जाता है.
8. प्रसव एक आमतौर पर होने वाली घटना है. यह कोई बीमारी नहीं है. ऐसे में निजी स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में प्रसव, और खास तौर पर आपरेशन से प्रसव एक आर्थिक लाभ कमाने का जरिया बन गए हैं. मध्यप्रदेश में निजी स्वास्थ्य संस्थानों में इसके लिए लोगों को ३० हज़ार रूपए से लेकर १ लाख रूपए तक का भुगतान करना पड़ता है. शायद अब यह प्रतिष्ठा का प्रतीक भी है.

मध्यप्रदेश की स्थिति

मध्यप्रदेश में सुरक्षित प्रसव का एक पहलू यह भी है. मध्यप्रदेश सरकार के लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के द्वारा संकलित आंकड़ों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि वर्तमान में (वर्ष 2014-15 की स्थिति में) निजी अस्पतालों में हर दस में से चार प्रसव ऑपरेशन (सिजेरियन) के जरिये हो रहे हैं.

वर्ष 2013-14 में मध्यप्रदेश में कुल 13,45,459 प्रसव दर्ज हुए. इनमें से 11,60476 प्रसव स्वास्थ्य संस्थाओं (जिनमें सरकारी और निजी स्वास्थ्य संस्थाएं दोनों शामिल हैं) में हुए. स्वास्थ्य संस्थाओं (जिन्हें हम संस्थागत प्रसव केन्द्र कहते हैं) में हुए कुल प्रसवों (11,60,476) में से 94.35 प्रतिशत (10,94,910 प्रसव) प्रसव सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों में हुए. जबकि उक्त अवधि में 5.65 प्रतिशत (65,566) प्रसव निजी अस्पतालों में होना दर्ज किया गया है.

वर्ष 2014-15 में राज्य में कुल 13,69,146 प्रसव होना दर्ज किया गया है. इनमें से 12,12,043 प्रसव (81.6 प्रतिशत) स्वास्थ्य संस्थाओं (सरकारी और निजी दोनों) में हुए. राज्य में हुए कुल संस्थागत प्रसवों में से 11,05,397 प्रसव (91.2 प्रतिशत) सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों-अस्पतालों में हुए. दूसरी तरफ निजी स्वास्थ्य केन्द्रों/अस्पतालों में 1,06,646 (8.8 प्रतिशत) प्रसव दर्ज हुए.

यह जानकारी यह साफ़ रूप से दिखाती है कि मध्यप्रदेश की 90 फ़ीसदी जनसँख्या सुरक्षित मातृत्व के दृष्टिकोण से सरकारी अस्पतालों की ओर ही रुख करती है और यह भी कि शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र इस दायित्व का निर्वाह सतत् रूप से कर रहे हैं.

हमें यह समझना होगा कि सुरक्षित मातृत्व के सामाजिक-आर्थिक-संस्थागत कारकों (जैसे किशोरियों के लिए स्वास्थ्य कार्यक्रम, एनीमिया (खून की कमी) खत्म करने के लिए कार्यक्रम, स्वास्थ्य-पोषण शिक्षा, पोषण आहार, मातृत्व हक, प्रसव-पूर्व और प्रसव-पश्चात जांचें, टीकाकरण आदि) पर सरकारी स्वास्थ्य तंत्र ही जवाबदेय और गुणवत्तापूर्ण जिम्मेदारी निभा सकता है. भारतीय सन्दर्भ में सामाजिक-आर्थिक-संस्थागत कारकों पर जवाबदेय और संवेदनशील भूमिका निर्वाह में निजी क्षेत्र की भूमिका केवल आंशिक रूप से ही पूरक हो सकती है. सार्वजनिक क्षेत्र के साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी की विचारधारा केवल पूरकता के मायने से देखी जानी चाहिए न कि उसके विकल्प के रूप में.

परन्तु अब हमें यह स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है कि चूंकि निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र शुल्क-आधारित होता है, (चाहे चिकित्सा सेवा के लिए व्यक्ति स्वयं शुल्क वहन करे या उसके हितार्थ शासन उसकी भरपाई करे या बीमा के माध्यम से भुगतान हो), निजी क्षेत्र के द्वारा सुरक्षित मातृत्व के नाम पर अधिकांश प्रसव ऑपरेशन के जरिये किये जाना केवल उसके व्यावसायिक हितों के लिये हो रहा प्रतीत होता है. यह सर्व-विदित तथ्य है [3] कि सिज़ेरियन प्रसव दो अवस्थाओं में होते हैं, एक नितांत जोखिम भरे, और दूसरा ऑपरेशन के लिये स्वेच्छा या समझाईश पर चयनित (इलेक्टिव). स्वतंत्र मेडिकल ऑडिट व्यवस्था के अभाव में प्रसवों को इन दो भागों में रख कर तथ्य-परक विश्लेषण के आधार पर यथोचित निर्णय पर पहुंचना मुश्किल अवश्य लगता है, परंतु इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि यदि चिकित्सालयों में होने वाले कुल प्रसवों में से अधिकांश ऑपरेशन द्वारा हो रहे हों तो यह गंभीर मामला है.

ठीक इसी प्रकार से यदि शासकीय चिकित्सालयों में होने वाले कुल प्रसवों में से यदि सिज़ेरियन (ऑपरेशन द्वारा) प्रसवों का अनुपात 5 प्रतिशत से कम रहता है, तब यह माना जा सकता है किः

1. संभव है कि संबंधित चिकित्सालयों में जोखिम भरे जटिल प्रसवों के प्रबंधन में समर्थता का अभाव है. इसकी प्रतिपुष्टि इस जांच के आधार पर की जा सकती है कि उच्चतर स्वास्थ्य संस्था में रिफ़र किये जा रहे जोखिम भरे प्रकरणों का क्या अनुपात है.
2. ऐसी विश्वसनीय व्यवस्था का अभाव है कि यह आधिकारिक जानकारी अद्यतन रुप से निरंतर उपलब्ध हो कि शासकीय प्रसव केन्द्रों में से उन कार्यशील केन्द्रों का क्या अनुपात है जिनका चिन्हांकन जोखिम भरे जटिल प्रसवों के प्रबंधन में समर्थ के रुप में किया गया है एवं यह भी कि क्या उनकी परफ़ार्मेन्स अपेक्षानुसार बनी हुई है.

---

[3]संयुक्त राष्ट्र के प्रक्रिया सूचकों के मुताबिक गर्भावस्था में 15 प्रतिशत प्रसव जोखिम भरे हो सकते हैं, जिन्हें बेसिक (बुनियादी) या कॉम्प्रेहेन्सिव (समग्र) जोखिम भरी जटिल प्रसवात्मक चिकित्सकीय देखभाल की आवश्यकता होती है. कॉम्प्रेहेन्सिव (समग्र) जोखिम भरी जटिल प्रसवात्मक चिकित्सकीय देखभाल में ऑपरेशन तथा रक्ताधान (ब्लड ट्रान्सफ़्यूज़न) की सुविधा होती है. बेसिक (बुनियादी)जोखिम भरी जटिल प्रसवात्मक चिकित्सकीय देखभाल में मरीज़ को स्टेबिलाइज़ रखा जाता है ताकि उसे आवश्यकतानुसार कॉम्प्रेहेन्सिव (समग्र) जोखिम भरी जटिल प्रसवात्मक चिकित्सकीय देखभाल सुविधा से संपन्न चिकित्सालय में भेजे जा सकने तक स्थिति जानलेवा न बने.

3. यह भी आशंका हो सकती है कि चूंकि चिकित्सा सेवा में चूक होने पर शासकीय चिकित्सालय मीडिया और जन प्रतिनिधियों के निशाने पर होते हैं, इसलिए ये शासकीय चिकित्सालय दोषारोपण से बचने के लिये केस फ़ेटेलिटी रेट (दाखिल केसेज़ में से होने वाली मौतों का अनुपात) कम रखने के प्रयास में अधिकांश जोखिम भरे केसेज़ को अपनी संस्था में इलाज़ उपलब्ध न करा कर उन्हें रिफ़र कर टाल देते हों. यदि यह "रक्षात्मक" मानसिकता है तो इसे तुरंत दूर किया जाना आवश्यक होगा ताकि शासकीय चिकित्सालय लोक-विश्वास का पात्र बने रहें.

स्वास्थ्य संस्था	संस्था में कुल प्रसव		आपरेशन से प्रसव (संख्या)		आपरेशन से प्रसव (प्रतिशत)	
	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15
सरकारी स्वास्थ्य केंद्र/अस्पताल	1094910	1105397	63059	65513	5.8 प्रतिशत	5.9 प्रतिशत
निजी स्वास्थ्य केंद्र/अस्पताल	65566	106646	20188	42738	30.8 प्रतिशत	40.07 प्रतिशत
कुल	**1160476**	**1212043**	**83247**	**108251**	**7.2 प्रतिशत**	**8.9 प्रतिशत**

वर्ष 2013-14 के तथ्यों का विश्लेषण करने से पता चलता है कि उस वर्ष में संस्थाओं में हुए कुल प्रसवों (11,60,476) में से 83,247 प्रसव (7.2 प्रतिशत) आपरेशन से हुए. इन कुल प्रकरणों में से 63,059 आपरेशन सरकारी अस्पतालों और 20,188 आपरेशन निजी अस्पतालों में हुए.

परन्तु इन आंकड़ों में हमें एक दूसरा चित्र भी नज़र आता है. वह यह कि वर्ष 2013-14 में हर 100 संस्थागत प्रसवों में से सरकारी अस्पताल में 5.9 प्रतिशत प्रसव आपरेशन से हुए, जबकि निजी अस्पतालों में 30.8 प्रतिशत प्रसव आपरेशन से हुए. वर्ष 2013-14 में सरकारी अस्पतालों में 1094910 में से 63059 प्रसव आपरेशन से हुए. इसके दूसरी तरफ निजी अस्पतालों में 65566 प्रसवों में से 20188 प्रसव आपरेशन से हुए यानी हर तीन में से एक प्रसव आपरेशन से हुआ.

वर्ष 2014-15 की स्थिति में यह अनुपात बढ़ गया. इस साल में सरकारी अस्पतालों में 1105397 में से 65513 प्रसव आपरेशन से हुए. जबकि निजी अस्पतालों में 106646 में से 42738 प्रसव आपरेशन से हुए यानी 40 प्रतिशत. एक साल में यह अनुपात 30.8 प्रतिशत से बढ़कर 40.07 प्रतिशत हो गया.

राज्य की निजी स्वास्थ्य संस्थाओं में स्थिति - कुछ अहम जिलों के आंकड़े						
वर्ष 2013-14				वर्ष 2013-14		
जिला	आपरेशन से होने वाले प्रसव	जहाँ एक भी प्रसव आपरेशन से होना दर्ज नहीं है.		जिला	आपरेशन से होने वाले प्रसव	जहाँ एक भी प्रसव आपरेशन से होना दर्ज नहीं है.
बडवानी	50.1	अलीराजपुर		अनूपपुर	61.54	आगर मालवा

होशंगाबाद	50.4	अनूपपुर		बालाघाट	59.02	अशोकनगर
खंडवा	57.8	अशोकनगर		बडवानी	61.92	पन्ना
मंदसौर	57.7	छिंदवाडा		बेतूल	55.73	रायसेन
भोपाल	49.1	दमोह		भोपाल	50.78	दतिया
		दतिया		बुरहानपुर	67.37	डिंडोरी
		भिंड		छिंदवाडा	56.99	रीवा
		डिंडोरी		दमोह	63.45	श्योपुर
		गुना		देवास	55.27	उमरिया
		हरदा		धार	53.54	
		झाबुआ		ग्वालियर	54.15	
		कटनी		हरदा	72.46	
		नरसिंहपुर		कटनी	62.67	
		नीमच		खंडवा	61.25	
		पन्ना		खरगोन	68.01	
		रायसेन		मंडला	55.73	
		राजगढ़		मंदसौर	62.68	
		रतलाम		नरसिंहपुर	56.89	
		रीवा		सिवनी	71.95	
		सागर		शहडोल	86.05	
		खरगोन		सीधी	51.59	
		मंडला		टीकमगढ़	56.82	
		सीहोर				
		सिवनी				
		शहडोल				
		शाजापुर				
		श्योपुर				
		शिवपुरी				
		सीधी				

	टीकमगढ़		
	उमरिया		
	आगर मालवा		

क्या कहता है विश्व स्वास्थ्य संगठन?

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 10 अप्रैल 2015 को जारी एक सलाह में कहा है कि जब चिकित्सा कारणों से आवश्यक हो, तभी आपरेशन के जरिये प्रसव का विकल्प अपनाया जाना चाहिए. संगठन ने कहा कि आपरेशन से प्रसव दुनिया में होने वाली शल्य चिकित्साओं का एक बड़ा हिस्सा होते हैं. और इनकी दर लगातार बढ़ती जा रही है. पहले उच्च-आय वाले देशों में सिज़ेरियन प्रसव ज्यादा होते थे, किन्तु अब मध्यम-आय वाले देशों में भी इसकी बढ़ौतरी हो रही है. हांलाकि जटिलता की स्थिति में इससे जीवन बचता है, किन्तु अब यह दिखाई दे रहा है कि चिकित्सकीय जरूरत नहीं होने के बाद भी आपरेशन से प्रसव कराये जा रहें, इससे बच्चों और महिलाओं के जीवन में तात्कालिक और दीर्घ अवधि की स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होने का जोखिम बढ़ रहा है. आपरेशन से प्रसव का विकल्प तभी अपनाया जाना चाहिए जब योनी मार्ग से प्रसव होने की कोई संभावना न हो और ऐसे में बच्चे या माँ के लिए कोई खतरा हो. इन कारणों में शामिल है - लंबे समय तक प्रसव पीड़ा, भ्रूण का संकट में होना या भ्रूण का किसी असामान्य अवस्था/स्थिति में होना.

हांलाकि आपरेशन से प्रसव के कारण बड़ी जटिलताएं, विकलांगता या मृत्यु की आशंका होती है. ये जोखिम तब बढ़ जाते हैं, जब शल्य चिकित्सा के लिए पर्याप्त संसाधन और सुविधाएँ उपलब्ध नहीं होती हैं.

वर्ष 1995 से अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा समुदाय यह मानता रहा है कि आपरेशन से शल्य चिकित्सा की आदर्श दर 10 से 15 प्रतिशत के बीच है. नए अध्ययनों से पता चलता है कि 10 प्रतिशत तक की दर तक पंहुचने पर मातृत्व और नवजात शिशु मृत्यु की आशंकाएं कम होती हैं, किन्तु ऐसे प्रमाण नहीं मिल रहे हैं कि जब यह दर 10 प्रतिशत से आगे बढ़ती है, तो मृत्यु दर में वास्तव में कमी आती है. इसका मतलब यह है कि प्रसव के लिए आपरेशन जरूरी है या नहीं, इसका हर मामले और हर प्रकरण में सही जांच और आंकलन होना चाहिए. हमारा मकसद 10 या 15 प्रतिशत का लक्ष्य हासिल करना नहीं होना चाहिए.

यह भी एक तथ्य है कि आपरेशन से प्रसव होने का मृत शिशु के जन्म या जन्म के समय की बीमारियों/बेहोशी जैसी समस्याओं पर क्या असर पड़ता है, इसके बारे में अभी भी चिकित्सा जगत को बहुत जानकारी नहीं है और इन पहलुओं पर अध्ययन किये जाने की जरूरत है.

इस शल्य चिकित्सा की लागत ज्यादा होती है, अनावश्यक आपरेशन होने से अन्य महत्पूर्ण सेवाओं के लिए तय / उपयोगी संसाधन इस काम में खर्च हो जाते हैं. व्यवस्था पर दबाव बढ़ता है और स्वास्थ्य व्यवस्था और कमज़ोर हो सकती है.

रॉबसन वर्गीकरण - अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सीजेरियन प्रसवों की निगरानी और मूल्यांकन की मानक व्यवस्था के अभाव में इस विषय पर उभर कर आ रहे पहलुओं पर पूरी समझ नहीं बन सकी है. विश्व स्वास्थ्य संगठन ऐसे में रॉबसन वर्गीकरण को अपनाने का सुझाव देता है. रॉबसन वर्गीकरण की व्यवस्था में प्रसव के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती की जाने वाली महिला को 10 आसानी से पहचाने जा सकने वाले सूचकों/चयनित/निर्धारित वर्गों में से किसी में रखा जाता है. इन वर्गीकरणों में शामिल हैं - पहले के प्रसवों की संख्या, क्या बच्चे का सिर पहले आता है?, गर्भधारण की उम्र, गर्भाशय के पूर्व के चिन्ह, पहले जन्म ले चुके बच्चों की संख्या और उनके समय प्रसव कैसे हुआ?; इन कुछ वर्गीकरणों से सीजेरियन की दर का आंकलन किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश का सन्दर्भ

मानक दर के हिस्साब से तो मध्यप्रदेश में अब भी 9 प्रतिशत प्रसव ही आपरेशन से हो रहे हैं, किन्तु प्रदेश में जानकारी दर्ज किये जाने की व्यवस्था कई सवाल खड़े करती है. जैसे वर्ष 2013-14 में 51 में से 32 जिलों में निजी स्वास्थ्य केन्द्रों में एक भी प्रसव आपरेशन से नहीं होना दर्शाया गया है. इसका एक आशय यह है कि इस श्रेणी के सभी प्रसव अभी भी रिकार्ड में नहीं आ रहे हैं. इसी तरह वर्ष 2014-15 में 22 जिलों में निजी अस्पतालों में हुए प्रसवों में से 50 प्रतिशत से ज्यादा प्रसव सिजेरियन हुए.

दूसरी बात यह है कि जब सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में केवल 5.8 और 5.9 प्रतिशत प्रसव आपरेशन से हुए हैं, तो निजी अस्पतालों में यह दर 30.8 और 40.07 प्रतिशत क्यों रही है? क्या इसका मतलब यह है कि ज्यादातर महिलायें प्रसव से सम्बंधित जटिलताओं की शिकार हैं, किन्तु सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों में सेवाएं उपलब्ध नहीं होने के कारण जरूरी होने के बावजूद आपरेशन से प्रसव नहीं किये जा जा रहे हैं? या हर जटिल प्रसव निजी अस्पतालों की और रैफर किया जा रहा है?

मध्यप्रदेश की स्थिति - वर्ष 2013-14 और 2014-15 के लिए (दोनों वर्षों के संयुक्त आंकड़े)		
	संख्या	**आपरेशन (सीजेरियन) के जरिये कुल प्रसव**
मध्यप्रदेश में कुल संस्थागत प्रसव	2372519	191498 (8.07 प्रतिशत)
सरकारी अस्पताल में प्रसव	2200307 (92.74 प्रतिशत)	128572 (5.84 प्रतिशत)
निजी अस्पतालों में प्रसव	172212 (7.25 प्रतिशत)	62926 (36.53 प्रतिशत)
जानकारी का स्रोत - लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के हेल्थ बुलेटिन (वर्ष 2013-14 और 2014-15 के लिए)		

क्या लोक स्वास्थ्य तंत्र और स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली के तहत यह जांचने की कोशिश की जा रही है कि निजी अस्पतालों में आपरेशन से प्रसव की दर इतनी ज्यादा क्यों है?

Institutional Deliveries in Public and Private Institutions and C-Section Deliveries in 2013-14 and 2014-15

(Source – Health Bulletin, 2013-14 and 2014-15)

District	2013-14										2014-15										Total Deliveries in Public Inst.
	Total Deliveries	Institutional Deliveries			C-Section Deliveries			% of C-Section Deliveries			Total Deliveries	Total Deliveries in Public Inst.	Institutional Deliveries			C-Section Deliveries			% of C-Section Deliveries		
		Public Institutions	Private Institutions	Total Inst. Deliveries	Public Institutions	Private Institutions	Total C-Section deliveries	Public	Private	Total			Public Institutions	Private Institutions	Total Institutional Deliveries	Public Institutions	Private Institutions	Total C-Section Deliveries	Public	Private	Total	
Agar Malwa	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	10758	0	10530	0	10530	23	0	23	0.2	0	0.2	100
Alirajpur	17891	10365	0	10365	69	0	69	0.7	0	0.7	18856	57.9	12153	296	12449	31	90	121	0.3	30.41	1.0	97.6
Anupur	11075	9774	0	9774	97	0	97	1.0	0	1.0	12261	88.3	11009	39	11048	179	24	203	1.6	61.54	1.8	99.6
Ashok Nagar	17529	14397	0	14397	215	0	215	1.5	0	1.5	17028	82.1	13747	0	13747	132	0	132	1.0	0.00	1.0	100.0
Balaghat	29129	25153	77	25230	4019	767	4786	16.0	996.1	19.0	28147	86.4	22830	2884	25714	3216	1702	4918	14.1	59.02	19.1	88.8
Barwani	40243	23161	359	23520	1190	180	1370	5.1	50.1	5.8	39251	57.6	23811	365	24176	1562	226	1788	6.6	61.92	7.4	98.5
Betul	24154	17689	1821	19510	478	609	1087	2.7	33.4	5.6	25846	73.2	18255	2112	20367	317	1177	1494	1.7	55.73	7.3	89.6
Bhind	29613	23567	182	23749	117	0	117	0.5	0.0	0.5	28214	79.6	23571	1382	24953	120	622	742	0.5	45.01	3.0	94.5
Bhopal	44418	32655	10585	43240	6050	5194	11244	18.5	49.1	26.0	47401	73.5	33656	12008	45664	6789	6098	12887	20.2	50.78	28.2	73.7
Burhanpur	15913	12701	720	13421	777	248	1025	6.1	34.4	7.6	15010	79.8	12644	380	13024	770	256	1026	6.1	67.37	7.9	97.1
Chhatarpur	38160	31693	1791	33484	1096	360	1456	3.5	20.1	4.3	39914	83.1	32818	1972	34790	1073	373	1446	3.3	18.91	4.2	94.3
Chhindwara	33496	30467	300	30767	3152	0	3152	10.3	0.0	10.2	31961	91.0	29587	193	29780	1747	110	1857	5.9	56.99	6.2	99.4
Damoh	24291	19100	0	19100	811	0	811	4.2	0.0	4.2	25139	78.6	20990	766.0	21756	1139	486	1625	5.4	63.45	7.5	96.5
Datia	12098	10850	0	10850	293	0	293	2.7	0.0	2.7	12831	89.7	11515	0.0	11515	306	0	306	2.7	0.00	2.7	100.0
Dewas	28680	25155	2670	27825	1100	528	1628	4.4	19.8	5.9	27202	87.7	23714	2582	26296	1033	1427	2460	4.4	55.27	9.4	90.2
Dhar	43938	37759	498	38257	2601	34	2635	6.9	6.8	6.9	38504	85.9	31228	2077	33305	684	1112	1796	2.2	53.54	5.4	93.8
Dindori	14137	9390	0	9390	51	0	51	0.5	0.0	0.5	13219	66.4	12056	0.0	12056	69	0	69	0.6	0.00	0.6	100.0

Guna	28794	27017	0	27017	1260	0	1260	4.7	0.0	4.7	27668	93.8	24737	1081	25818	901	530	1431	3.6	49.03	5.5	95.8
Gwalior	31994	28464	1802	30266	2681	891	3572	9.4	49.4	11.8	39388	89.0	28498	9156	37654	3399	4958	8357	11.9	54.15	22.2	75.7
Harda	10688	7404	1173	8577	616	0	616	8.3	0.0	7.2	10505	69.3	7658	1013	8671	803	734	1537	10.5	72.46	17.7	88.3
Hoshangabad	24053	18381	4595	22976	2323	2314	4637	12.6	50.4	20.2	23468	76.4	17463	5050	22513	2388	2518	4906	13.7	49.86	21.8	77.6
Indore	49397	29414	19829	49243	1509	3530	5039	5.1	17.8	10.2	59502	59.5	33216	26142	59358	5194	4937	10131	15.6	18.89	17.1	56.0
Jabalpur	39251	28676	7775	36451	4088	1643	5731	14.3	21.1	15.7	38918	73.1	30213	6790	37003	4618	1503	6121	15.3	22.14	16.5	81.7
Jhabua	30530	26644	0	26644	288	0	288	1.1	0.0	1.1	31245	87.3	26044	1350.0	27394	244	206	450	0.9	15.26	1.6	95.1
Katni	25501	22322	0	22322	2048	0	2048	9.2	0.0	9.2	24136	87.5	19180	2521.0	21701	455	1580	2035	2.4	62.67	9.4	88.4
Khandwa	25219	21654	476	22130	1711	275	1986	7.9	57.8	9.0	25488	85.9	20952	1698	22650	2055	1040	3095	9.8	61.25	13.7	92.5
Khargone	36618	29250	660	29910	2632	0	2632	9.0	0.0	8.8	36326	79.9	29549	1438	30987	2429	978	3407	8.2	68.01	11.0	95.4
Mandla	17900	13008	0	13008	419	0	419	3.2	0.0	3.2	17044	72.7	13659	899.0	14558	256	501	757	1.9	55.73	5.2	93.8
Mandsaur	24620	22549	1114	23663	1809	643	2452	8.0	57.7	10.4	23220	91.6	21750	812.0	22562	2261	509	2770	10.4	62.68	12.3	96.4
Morena	41729	37059	2941	40000	59	1007	1066	0.2	34.2	2.7	40732	88.8	36089	3052.0	39141	221	1088	1309	0.6	35.65	3.3	92.2
Narsinghpur	16302	14363	0	14363	1081	0	1081	7.5	0.0	7.5	18821	88.1	14815	2526.0	17341	1417	1437	2854	9.6	56.89	16.5	85.4
Neemuch	12651	11957	0	11957	722	0	722	6.0	0.0	6.0	12471	94.5	11802	55.0	11857	881	6	887	7.5	10.91	7.5	99.5
Panna	19299	17640	0	17640	313	0	313	1.8	0.0	1.8	20238	91.4	17897	0.0	17897	483	0	483	2.7	0.00	2.7	100.0
Raisen	20244	16486	0	16486	438	0	438	2.7	0.0	2.7	21142	81.4	17737	0.0	17737	450	0	450	2.5	0.00	2.5	100.0
Rajgarh	26391	24102	0	24102	600	0	600	2.5	0.0	2.5	25827	91.3	23342	629.0	23971	352	206	558	1.5	32.75	2.3	97.4
Ratlam	28306	26832	0	26832	1665	0	1665	6.2	0.0	6.2	27820	94.8	26055	380.0	26435	1224	185	1409	4.7	48.68	5.3	98.6
Rewa	41797	34858	633	35491	843	0	843	2.4	0.0	2.4	41493	83.4	37704	13.0	37717	1086	0	1086	2.9	0.00	2.9	100.0
Sagar	36384	29083	129	29212	1479	0	1479	5.1	0.0	5.1	40067	79.9	33969	649.0	34618	1546	189	1735	4.6	29.12	5.0	98.1
Satna	39463	32519	1118	33637	1287	318	1605	4.0	28.4	4.8	38712	82.4	31372	1922.0	33294	1623	749	2372	5.2	38.97	7.1	94.2
Sehore	23206	21955	0	21955	1241	0	1241	5.7	0.0	5.7	23781	94.6	21210	1613.0	22823	1191	498	1689	5.6	30.87	7.4	92.9
Seoni	22453	20892	0	20892	2577	0	2577	12.3	0.0	12.3	23270	93.0	20631	1326.0	21957	2184	954	3138	10.6	71.95	14.3	94.0

Shahdol	22215	18786	0	18786	1711	0	1711	9.1	0.0	9.1	21569	84.6	18651	172.0	18823	2281	148	2429	12.2	86.05	12.9	99.1
Shajapur	19238	18496	0	18496	167	0	167	0.9	0.0	0.9	16709	96.1	15057	1285.0	16342	454	536	990	3.0	41.71	6.1	92.1
Sheopur	15636	12595	0	12595	432	0	432	3.4	0.0	3.4	15112	80.6	11957	0.0	11957	473	0	473	4.0	0.00	4.0	100.0
Shivpuri	37821	32323	0	32323	1059	0	1059	3.3	0.0	3.3	37494	85.5	31860	330.0	32190	1410	101	1511	4.4	30.61	4.7	99.0
Sidhi	28429	19956	0	19956	501	0	501	2.5	0.0	2.5	28253	70.2	20174	471.0	20645	423	243	666	2.1	51.59	3.2	97.7
Singroli	31127	17486	0	17486	95	42	137	0.5	0.0	0.8	28943	56.2	15080	2273.0	17353	1	709	710	0.0	31.19	4.1	86.9
Tikamgarh	20772	17157	0	17157	136	0	136	0.8	0.0	0.8	28628	82.6	23791	931.0	24722	351	529	880	1.5	56.82	3.6	96.2
Ujjain	32197	28639	2314	30953	2144	950	3094	7.5	41.1	10.0	29925	88.9	27529	1642.0	29171	2303	733	3036	8.4	44.64	10.4	94.4
Umaria	12234	11399	0	11399	245	0	245	2.1	0.0	2.1	11901	93.2	11153	0.0	11153	339	0	339	3.0	0.00	3.0	100.0
Vidisha	28235	21668	2004	23672	764	655	1419	3.5	32.7	6.0	27788	76.7	20489	2371.0	22860	627	730	1357	3.1	30.79	5.9	89.6
Total	**1345459**	**1094910**	**65566**	**1160476**	**63059**	**20188**	**83247**	**5.8**	**30.8**	**7.2**	**1369146**	**81.4**	**1105397**	**106646**	**1212043**	**65513**	**42738**	**108251**	**5.9**	**40.07**	**8.9**	**91.2**

स्रोत - ये आंकड़े मध्यप्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के स्वास्थ्य विवरणिका / पत्रक से लिए गए हैं.

संपर्क - विकास संवाद, ई-7/226, प्रथम तल, धनवंतरी काम्प्लेक्स के सामने, अरेरा कॉलोनी, शाहपुरा, भोपाल, मध्यप्रदेश / 07554252789